कुल पृष्ठ संख्या 28 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 00276

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candid
(In I
(In W
HU
परीक्ष
शब्दों

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय अनिवार्य हिन्दी

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 08-04-2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3½
2	6	20	4½
3	10½	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	1½	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	3	31	
14	3	योग	77
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	5½	77	सत्तहत्तर
18	5½		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 10009

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 168/2019

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न – पत्र हिन्दी – अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्न	(i)	ii	iii	iv	v	vi	vii	viii	ix	x	xi	xii
उत्तर	अ	अ	ब	स	अ	स	अ	स	अ	स	अ	द

2 (i) भाषा ;
(ii) लिपि
(iii) अभिधा
(iv) लक्षणा
(v) च वर्ण की आवृति के कारण अनुप्रास (वृत्यानुप्रास) अँलकार
(vi) यमक

3. (i) - (अ) NOTICE ⇒ "सूचना"
(ब) CIRCULAR ⇒ "चक्र"

(2) शब्द कोश ⇒ Dictonary (डिक्सनरी)

(3) इँटरनेट पत्रकारिता ⇒ इन्टरनेट के माध्यम से सूचनाओं का आदान-प्रदान करना ही इन्टरनेट पत्रकारिता है। इसे वेब पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता के नाम से भी जाना जाता है।

(4) "भक्तिन" का वास्तविक नाम "लछमिन (लक्ष्मी)" था।

(5) यशोधर बाबू अपनी धबवाली को आधुनिकाओं सा आचरण करने पर उसको "सम हाऊ इम्प्रोपर" तथा अपनी पुत्री की तरफदारी करने वाली बताते थे।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(6) "सिल्वर वैडिंग" से इस कहानी का यह आशय है कि हमें अपने परिवेश के अनुसार पाश्चात्य संस्कृति को अपनाना चाहिए परन्तु अपने मानवीय जीवन-मुल्यों का सम्मान करना चाहिए

(7) लेखक का पिता बहुत आलसी तथा ऐय्यासी था, वह चाहता था कि कहीं लेखक गलत मार्ग पेन पर न जाए और खेत का काम करें। ताकि स्वयं गाँव में आसानी से घूम-फिर सकें।

(8) कविता से लगाव के बाद लेखक अकेला इसलिए रहना पसंद करता क्योंकि वह चाहता था कि वह अकेले में ऊँचे स्वर में कविता गा सके तथा उसका अभिनय लें सकें।

(9) रघुवीर सहाय की रचनाओं के नाम ⇒ (i) आत्महत्या के विरुद्ध
(ii) सिढ़ियों पर धूप
आदि।

(10) महादेवी वर्मा का जन्म सन् 1907 में फर्रुखाबाद में हुआ था।

(11) स्कूल में लेखक का ध्यान पढ़ाई में तब लगने लगा जब उसकी दोस्ती 'वसन्त पाटिल' से हो गई थी तथा कविता वाचन में उसे आनन्द आने लगा।

4\. मुद्रित माध्यम में लेखन के लिए हमें निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए-
(i) इसके लिए हमें वर्तनी का विशेष ज्ञान होना चाहिए।

P. T. O.

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) हमें पाठक वर्ग को ध्यान में रखकर ~~सरल~~ सरल तथा शुद्ध शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

(iii) हमें उल्टा पिरामिड शैली तथा लेखन कार्य का अनुभव प्राप्त होना चाहिए।

(iv) हमें भाषा की सरलता एवं सहजता के साथ उसकी गरीमा का ध्यान भी रखना चाहिए।

5. पत्रकारीय लेखन ⇒ पत्रों के माध्यम से सूचनाएं आदान-प्रदान करने तथा मनोरंजन व मुख्य जानकारी देना ही पत्रकारीय लेखन कहलाता है। इस कार्य को मुख्यतः पत्रकार द्वारा सम्पादित किया जाता है। पत्रकार के तीन भेद होते हैं - (i) पूर्णकालिक, (ii) अंशकालिक, (iii) फ्रिलांसर पत्रकार।

~~6. अध्यापक और छात्र के बीच गृह-कार्य को लेकर निम्न प्रकार से चर्चा हो सकती है -~~

~~(i) अध्यापक ⇒ सभी कल आज पढ़ाये हुए पाठ के प्रश्नोत्तर करके आ~~

6. (i) अध्यापकों द्वारा छात्रों को गृह-कार्य अवश्य देना चाहिए।

(ii) अध्यापकों द्वारा दिये गए गृह कार्य के द्वारा बच्चे के पढ़ने में रुचि जाग्रत होती है।

(iii) छात्र इसके द्वारा अपने हस्तलेखों में परिवर्तन ला सकते हैं।

(iv) छात्र इससे लिखकर अथवा समझकर याद कर सकते हैं।

(v) इससे उनके जीवन में अनेक उल्लेखनीय परिवर्तन आते हैं।

(vi) इसके द्वारा बच्चे (छात्र) में आलस्य ~~व~~ रूखापन नहीं आता है। ~~इसके द्वारा गुरु की~~

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

7. "बात सीधी थी पर" कविता में भाषा या बात में रोचकता दिखाने के कारण उसको चमत्कार जनक बना देने के कारण उसके सीधेपन में कठोरता व क्लिष्टता आ जाती तथा वह बात टेड़ी हो जाती है अर्थात उसका सरलार्थ स्पष्ट नहीं हो पाता है।

8. इस पंक्ति के द्वारा यह बताया गया है कि बच्चे पतंग उड़ाते समय अपना सारा ध्यान पतंगों पर ही डाल देते हैं तथा इतना कि दिवारों पर निडरता के साथ इधर-उधर कूदते अथवा दौड़ते रहते हैं। इस समय उनकी कोमल भावनाएं पतंग के साथ उड़ रही होती है।

9. लेखक ने शिरीष को एक कालजयी अवधूत माना है क्योंकि वह जेठ की भीषण गर्मी, जब पूरी धरती मानों आग के समान जल रही होती है तब भी यह वृक्ष पता नहीं किस प्रकार से अपनी विषम परिस्थितियों में भी अपने अस्तित्व को बनाए रखता है। अवधूत का अर्थ भी साधु (संत) होता है, उसी प्रकार यह भी विषम परिस्थिति में भी स्थिर बना रहता है तथा कोमल पुष्पों द्वारा खिलखिलाता रहता है।

10. जैनेन्द्र जी के अनुसार 'पर्चेजिंग पावर' का अर्थ होता है ग्राहक की क्रय शक्ति। इसके द्वारा मनुष्य बाजार के आकर्षण में फंसकर अनावश्यक वस्तुएं भी खरीद लेता है, जिससे उसके जीवन में आलस्य तथा नकारात्मक

P.T.O.

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2 पैदा होती है। वह अपनी क्रय शक्ति के द्वारा बाजार के बाजारूपन को बढ़ावा देता है।

11. यशोधर बाबू किशनदा को अपने जीवन का मार्गदर्शक मानते हैं तथा उसके द्वारा बताये गये मार्ग का अनुसरण करते हैं, इसी कारण उनके और उसके परिवार में अनबन बनी रहती है। उसके परिवार में उनके अलावा सभी लोग पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण कर रहे थे, इससे यशोधर बाबू को परिवार में उपेक्षित उपेक्षित समझा जाता था तथा उनके बीच मतभेद चलता रहता था इसी कारण वे अपने ऑफिस से घर आने में देरी किया करते थे।

2

12. दत्ता जी राव गांव में एक आकर्षक व्यक्तित्व के धनी थे। वे प्रायः सभी की सहायता करते थे। गांव के लोग दत्ता जी राव की बात को मानते थे। इसी कारण लेखक ने सोचा कि वे उसकी मदद कर सकते हैं और उसके पिता को प्रेम से समझा सकते हैं। जब लेखक और उसकी मां उनकी बात कहते हैं, तब दत्ता जी कहते हैं कि आने दे उसको मैं समझा दूंगा। जब उसका पिता दत्ता जी के घर गया तो तब दत्ता ने उसको लेखक कि पढ़ाई रोकने के सन्दर्भ में डांटा तथा लेखक से कहा कि "छोरे तू कल से स्कूल जाता रहा तथा मास्टर की पूरी फीस भर देना"।

2

13. "कैमरे में बंद अपाहिज" कविता के में दुरदर्शनकर्मियों की असंवेदनशीलता व उनके द्वारा पूछे गए पीड़ाकारी प्रश्नों पर व्यंग्य किया है। कवि कहता है कि मीडिया कर्मी अपने

P.T.O.

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अपने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक आ
अपाहिज से ~~मानवता~~ अमानवीय सवाल पूछते है व
उसके भीतर की पीड़ा को और सशक्त कर देते है।
उनके द्वारा पूछे गये प्रश्नो का उद्देश्य लोगो के प्रति
उस अपाहिज के लिए संवेदना प्रकट करना था परन्तु समय
बद्धता ने इसको क्रूर बना दिया।

~~यदि~~ यदि हम उसके स्थान पर होते तो उसको
प्रेम से अपनी पीड़ा का कारण पूछते तथा उसके
दुखों के प्रति अपनी संवेदनशीलता प्रकट करते तथा
लोगो द्वारा उसके लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करते
न कि दुराचार भरे शब्दों से उसके मन में विकार पैदा
करते।

3

BSER-166/2019

14. भगत जी बाजार को अपनी नजर से देखते है।
उनका बाजार के प्रति जो व्यवहार दिखाया गया
है वह वास्तविक है। भगत जी सिर्फ अपने आव
आवश्यकता की वस्तुएँ जीरा और काला नमक
आदि सामान खरीदने के उद्देश्य से ही बाजार जाते
है। वह बाजार में चलते समय न तो अपने
बंद करते है और न ही अपना मन वह तो
अपने काम से काम रखते है। वे सुबह जल्दी
उठकर अपने चूर्ण की दुकान पर चूरन बांटते है
तथा जब वे छः आने कमा लेते है तो वे
बाकि का बचा चूरण बच्चों को बांट देते है।
प्रकार भगतजी बाजार के प्रति अपनी जीवन

P. T. O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

शैली रखते हैं तथा बाजार और समाज में शांति व समता की स्थापना करने का संदेश देते हैं। वे बाजार के बाजारूपन का सार्थकता से इस्तेमाल करते हैं।

3

15. एक विद्यार्थी का अपने जीवन में गुरु का अत्यधिक महत्व होता है। एक अच्छा गुरु ही अपने शिष्य के जीवन सफल बनाने में मदद करता है। वह सदैव अपने शिष्य का भला चाहता है। इस कहानी में ~~एक~~ श्रेष्ठ गुरु का उदाहरण दिया गया है (i) मैंगी नामक गणित का अध्यापक उनको ~~भी~~ गणित के सवाल बड़ी प्रेम व समझदारी के साथ समझाता था और बच्चों को जब ~~अपनी~~ उनकी मूर्खता पर दण्ड भी देता था। (ii) उनके विद्यालय में एक न॰ वा॰ सौंदलगेकर नाम के एक साहित्य प्रेमी मराठी अध्यापक थे जो छात्रों को सदैव प्रेम भाव से कविता में लय ले कर व रस आदि के माध्यम से भाव प्रकट करके ~~सुन~~ कविता वाचन करते थे। इन्हीं से प्रेरित होकर लेखक ने अपने जीवन में साहित्य के प्रति रुचि जगाई और एक समाज में एक श्रेष्ठ कवि के रूप में स्थान प्राप्त किया।

3

इस प्रकार गुरु सदैव अपने शिष्य में ज्ञान का प्रकाश भरते हुए उसके उज्ज्वल ~~भवि~~ भविष्य का निर्माण करता है।

कहानी में ~~उन~~ गुरु की प्रेरणा से लेखक का भविष्य शिक्षा के द्वारा समाज में अमर हुआ है।

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

"हरिवंश राय बच्चन"

16.

आधुनिक हिन्दी कविताधारा में हालावाद के प्रवर्तक
डॉ. हरिवंश राय बच्चन का जन्म सन् 1907 में
इलाहाबाद में हुआ था। ये बचपन से ही प्रतिभा-
शाली व समझदार थे। इन्होंने काशी हिन्दू विश्व-
विद्यालय से स्नातक तथा स्नातकोत्तर की परीक्षा
~~उत्तीर्ण~~ उत्तीर्ण की।

ये ~~काशी~~ इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहें
तथा अनेक पत्र पत्रिकाओं का संपादन करते
रहें। ये सन् 1966 में राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के
सदस्य बने तथा इसी वर्ष इनको सोवियत भूमि
नेहरू पुरस्कार मिला। ~~सन्~~ 1976 ई. में इनको
पदमभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

महान कवि हरिवंशराय बच्चन का निधन सन् 20
में मुम्बई में हुआ।

3

इनकी रचनाओं के नाम → मधुबाला, मधुशाला,
मधुकलश, निशा-निमंत्रण, आकुल अन्तर आदि
काव्य संग्रह रचे तथा इसके साथ साथ इन्होंने निबन्ध
उपन्यास आदि विधाओं में भी अपनी लेखनी चलाई।

17. कठिन शब्दार्थ → सहर्ष → खुशी-खुशी, मौलिक → मूल है,

1½

प्रसंग → यह कवितांश कवि गजानन माधव मुक्तिबोध
रचित भूरी-भूरी खाक धूल से ली गई है ~~इसमें~~
कविता सहर्ष स्वीकारा है से ली गई है। इसमें

P.T.O.

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कवि ने अपने दुख-सुख सभी पर अपने प्रियजन के अधिकार की बात की है।

व्याख्या = कवि कहता है कि जो भी मेरे जीवन में है वह सब मैंने खुशी-खुशी स्वीकार किया है, क्योंकि वे सभी तुम्हें भी प्यारे हैं। मेरे जीवन के सभी दुख-सुख, गरीबी, मधुर स्वप्न आदि मैंने प्रसन्नता से स्वीकार किये हैं, क्योंकि ये सभी तुम्हें भी अतिशय प्यारे हैं। मेरे जीवन के कोमल विचार वैभव, प्यारभरी सरितायें, दुख व सुख सभी मेरे स्वयं के हैं अर्थात कवि कहना चाहता है कि उसके जीवन में जो भी सुख दुख, विचार-वैभव, स्वाभिमान युक्त गरीबी सभी उसके स्वयं के हैं तथा इन सभी से उसकी प्रियजन की आत्मीयता जुड़ी हुई है। कवि कहता है कि उसके जीवन के हर क्षण में उसकी प्रियजन की संवेदना उससे जुड़ी हुई है तथा वे सभी उसकी प्रियजन को भी अतिशय प्यारे हैं।

विशेष (i) कवि ने अपनी प्रियजन के प्रति रहस्यात्मकता का भाव सस्वर व्यक्त किया है।
(ii) कविता में वर्णावृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार का प्रयोग हुआ है। पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार का भी प्रयोग हुआ है।

योग 5

18. गद्यांश ⇒ कुछ देर — — — — — — फल मिलता है।

प्रसंग ⇒ प्रस्तुत गद्यांश धर्मवीर भारती द्वारा रचित "काले मेघा

P. T. O.

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पानी दे' पाठ से लिया गया है। इसमें कवि की जीजी मे त्याग के महत्व को उदाहरण सहित बताया है।

व्याख्या → लेखक ने उसकी जीजी को ऐसा नहीं करने के बारे में बताया तथा समझाया परन्तु जीजी कुछ देर शान्त होकर उसको तर्कसहित कहने लगी कि कोई भी त्याग के बिना दान सफल नहीं होता है। जीजी उदाहरण देती है कि यदि किसी के पास लाखो रुपये है और उनमें से किसी को कोई दो-चार रुपये देता है तो यह दान नहीं है। सच्चा त्याग वहीं है कि जिसके पास जो चीज अत्यन्त कम है व उसको उसकी आवश्यकता है तथा उसने किसी अन्य को वो चीज दान की है तभी यह सच्चा त्याग है। ऐसे दान का ही सदैव फल मिलता है तथा जन-कल्याणकारी होता है।

विशेष → (i) इसमें जीजी की तर्कशीलता को दर्शाया गया है।

(ii) इसमें जीजी द्वारा लेखक के प्रति प्रेम व्यक्त हुआ है तथा उसका अन्धविश्वास भी सामने आया है।

19. निविदा सूचना

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय

अजमेर

पत्र क्रमांक → 20 नि.सू./20XX-05 दिनांक = 08-04

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

निविदा संख्या 20xx/06

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा इस सामग्री की आपूर्ति हेतु प्रतिष्ठित प्रतिधानों से भी निविदा आमन्त्रित की जाती है, जो निर्धारित तिथि को दोपहर 2:00 P बजे प्राप्त की जायेगी तथा निर्धारित तिथि को सायं 4:00 बजे इच्छुक निविदाकारों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र निविदा खोलने की तिथि को ~~छ कि~~ 12:00 pm तक निविदा प्रपत्र शुल्क तथा धरोहर राशि के रेखांकित ड्राफ्ट लेखा अधिकारी, रा० उ० मा० विद्यालय में जमा करवाने हैं। निविदा इस प्रकार है-

~~क्रम स० विवरण अनुमानित राशि धरोहर राशि निविदा खोलने~~
~~1. खेलकूद की सामग्री की पूर्ति हेतु~~

क्र. स.	विवरण	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	निविदा खोलने की तिथि	निविदा प्रपत्र शुल्क
1	खेलकूद की सामग्री की पूर्ति हेतु	2,50000 रु	2500 रुपये	25-04-20xx	250/-

3½

~~निविदा स्वीकार~~

हस्ताक्षर ———
राकेश
प्रधानाचार्य

20. "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ"

प्रस्तावना : आजकल बेटियों के शिक्षा पर सभी जोर दे रहे हैं भारत सरकार ने भी अनेक योजनाएं चलाई हैं। बेटियां समाज की शान होती हैं।

P.T.O.

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कुछ लोग इनको समाज में खोटा सिक्का मा
है और इनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं। वे लो
नरक में जाने योग्य है।

शिक्षा के लिए बेटियां की स्थिति ⇒ बेटियों पर समा
अनेक दुर्व्यवहार किये जाते है तथा उन्हें घ
कामों में ही लगा दिया जाता है, जिस कारण
शिक्षा से वंचित रह जाती है और समाज
शोषण का शिकार बन जाती है। पुराने समय
बेटियों को विद्यालय नहीं दिया जाता था अ
घर के काम करवाये जाते थे परन्तु वर्तमान
में इस स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है। परन्तु
भी गावों में बेटियों पर शोषण किया जा
~~तथा~~

सरकार का सहयोग ⇒ बेटियों की शिक्षा के लिए
सरकार अनेकों उपाय कर रही है तथा अन्य
योजनाएं चला रही है ताकि समाज में बेटियों
प्रति स्थिति में सुधार किया जा सके। इसके
राजस्थान सरकार ने भी अनेक कदम उठाएं है
बेटी को नवदुर्गा का रूप माना है।

उपसंहार ⇒ कुछ लोग गर्भ में ही ~~ब~~ बेटियों
हत्या करवा देते है वे इस समय नरक
जाने योग्य है। हमें समाज में बेटियों की
प्रति सहानुभूति व्यक्त करनी चाहिए। हमें भी
बेटियों को माता दुर्गा का रूप देकर सम्मान दे
~~कार्य समाप्त~~ चाहिए।

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

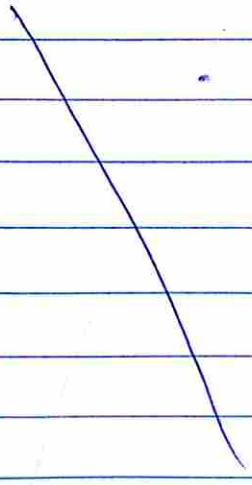

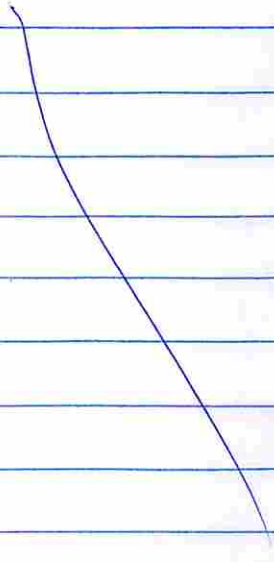

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

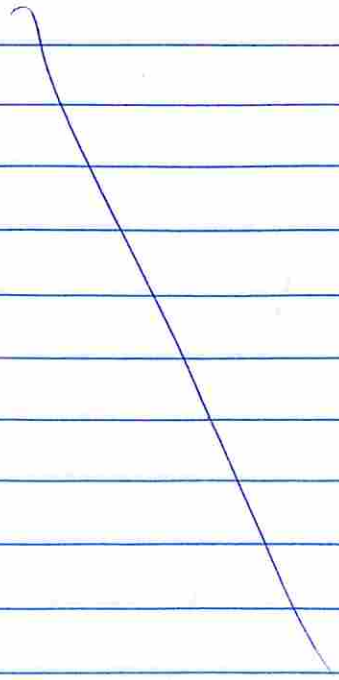

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

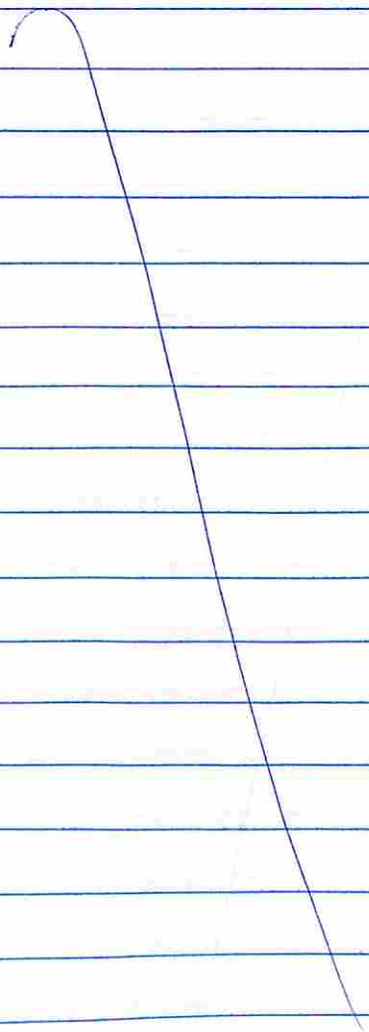

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-166/2019